भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 409
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 2 फरवरी, 2026
13 माघ, 1947 (शक)

कुड्डालोर में मारुंगुर पुरातत्व स्थल पर खुदाई

409. **डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में मारुंगुर पुरातात्विक स्थल के ऐतिहासिक महत्व का सरकार द्वारा दस्तावेजीकरण किया गया है/किया जा रहा है;
(ख) क्या यह सच है कि मारुंगुर स्थल से खुदाई के दौरान लौह युग के साक्ष्य मिले हैं;
(ग) मारुंगुर स्थल से खुदाई में प्राप्त वस्तुओं का ब्यौरा क्या है तथा उनका महत्व क्या है;
(घ) क्या सरकार ने मारुंगुर में पहले कोई खुदाई या अनुसंधान किया है जिसके कारण वर्तमान खुदाई कार्य हो रहा है; और
(ङ) क्या सरकार के पास छात्रों, शोधकर्ताओं या स्वयंसेवकों को खुदाई के काम या संबंधित परियोजनाओं में भाग लेने के अवसर प्रदान करने की कोई योजना है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत सरकार ने पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, तमिलनाडु सरकार को तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में मारुंगुर पुरातात्विक स्थल पर पुरातात्विक उत्खनन करने की अनुमति दी थी और यह कार्य अब पूरा हो चुका है।

(ख): इस उत्खनन के दौरान, प्रागैतिहासिक काल के पुरातात्विक साक्ष्यों की खोज की गई।

(ग): इस उत्खनन से प्रागैतिहासिक काल से संबंधित पुरावशेषों जैसे कि सुरमा डालने की छड़, चूड़ियाँ, नाखून और तीर पर बने लोहे के नोक, गोमेद, कार्नेलियन और कांच के मोती, गेममैन, हॉपस्कॉच, टेराकोटा के मोती, चमकाई गई कुल्हाड़ी और पत्थर का जांता, हड्डी के बिंदु, बर्तन पर उत्कीर्ण भित्तिचित्र और चोल काल के सिक्के इत्यादि पाए गए।

इस प्रागैतिहासिक कब्रिस्तान से कलश, और लोहे के उपकरणों के साथ-साथ बर्तन और पत्थर के मोती भी पाए गए थे।
(घ): यह पुरातात्विक उत्खनन वर्ष 2024 में तमिलनाडु पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा किया गया था।

(ड.): इस उत्खनन स्थल पर किए गए उत्खनन में तमिलनाडु पुरातत्व और संग्रहालय संस्थान के छात्रों ने भाग लिया।